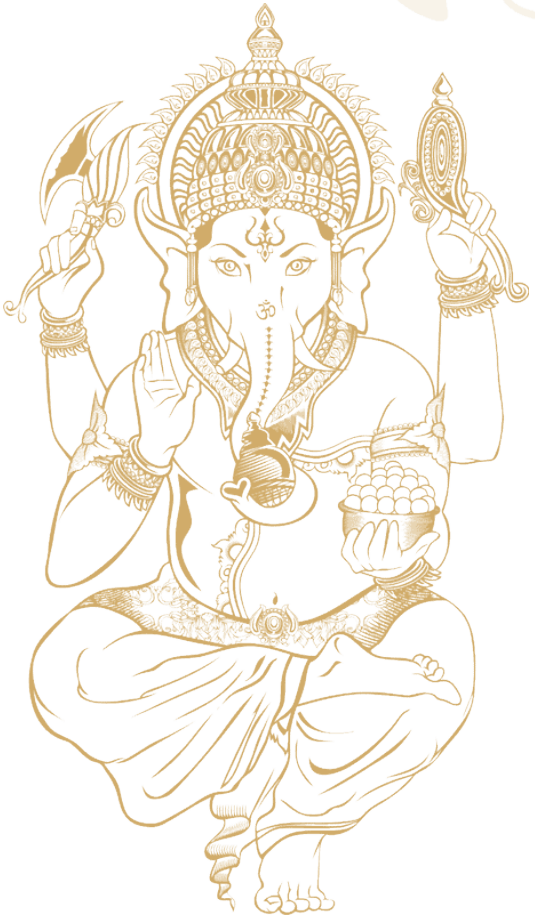

Chander mohan

11 Jun 1977

07:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120604405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/06/1977**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	04:03:01 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:30 घंटे
साम्पातिक काल	23:55:59 घंटे
सूर्योदय	05:22:47 घंटे
सूर्यास्त	19:18:45 घंटे
दिनमान	13:55:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:28:35 वृष
लग्न के अंश	17:50:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:50:23	316:55:30	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			वृष	26:28:35	00:57:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	24:15:30	12:03:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
मंगल			मेष	10:07:25	00:44:26	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			वृष	06:45:23	01:38:36	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु			वृष	21:39:04	00:13:55	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	10:48:18	00:55:31	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि			कर्क	19:29:17	00:05:37	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			कन्या	29:18:23	00:00:30	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	29:18:23	00:00:30	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		तुला	14:39:26	00:01:40	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
नेप	व		वृश्चि	21:04:51	00:01:37	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	17:53:09	00:00:21	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			मीन	05:21:44	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:37

लग्न-चलित

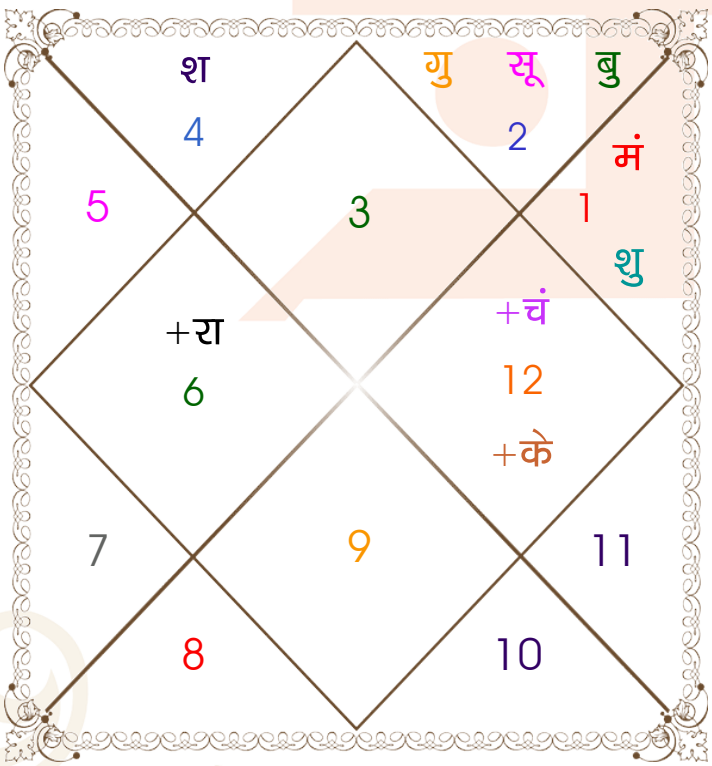

चन्द्र कुंडली

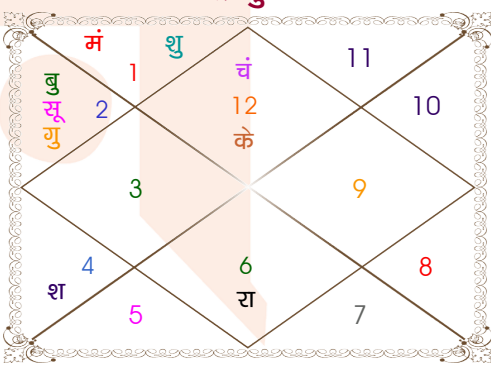

नवमांश कुंडली

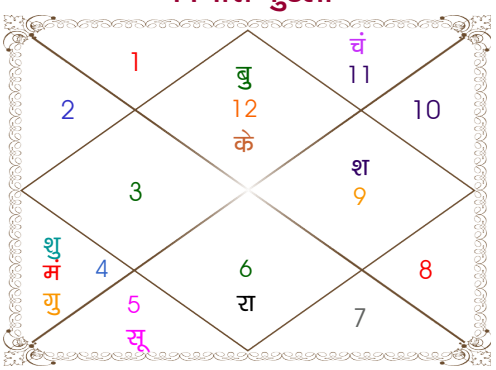

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 3 मास 25 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/06/1977		06/10/1984		06/10/1991		06/10/2011		06/10/2017	
06/10/1984		06/10/1991		06/10/2011		06/10/2017		06/10/2027	
	00/00/0000	केतु	04/03/1985	शुक्र	05/02/1995	सूर्य	24/01/2012	चंद्र	06/08/2018
	00/00/0000	शुक्र	04/05/1986	सूर्य	05/02/1996	चंद्र	25/07/2012	मंगल	07/03/2019
	00/00/0000	सूर्य	09/09/1986	चंद्र	06/10/1997	मंगल	29/11/2012	राहु	05/09/2020
	00/00/0000	चंद्र	10/04/1987	मंगल	06/12/1998	राहु	24/10/2013	गुरु	05/01/2022
	00/00/0000	मंगल	06/09/1987	राहु	06/12/2001	गुरु	12/08/2014	शनि	07/08/2023
	11/06/1977	राहु	23/09/1988	गुरु	06/08/2004	शनि	25/07/2015	बुध	05/01/2025
राहु	22/10/1979	गुरु	30/08/1989	शनि	06/10/2007	बुध	31/05/2016	केतु	06/08/2025
गुरु	27/01/1982	शनि	09/10/1990	बुध	06/08/2010	केतु	06/10/2016	शुक्र	07/04/2027
शनि	06/10/1984	बुध	06/10/1991	केतु	06/10/2011	शुक्र	06/10/2017	सूर्य	06/10/2027

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/10/2027		06/10/2034		06/10/2052		06/10/2068		06/10/2087	
06/10/2034		06/10/2052		06/10/2068		06/10/2087		00/00/0000	
मंगल	04/03/2028	राहु	18/06/2037	गुरु	24/11/2054	शनि	09/10/2071	बुध	04/03/2090
राहु	22/03/2029	गुरु	12/11/2039	शनि	06/06/2057	बुध	19/06/2074	केतु	01/03/2091
गुरु	26/02/2030	शनि	18/09/2042	बुध	12/09/2059	केतु	28/07/2075	शुक्र	30/12/2093
शनि	07/04/2031	बुध	06/04/2045	केतु	18/08/2060	शुक्र	27/09/2078	सूर्य	06/11/2094
बुध	03/04/2032	केतु	25/04/2046	शुक्र	19/04/2063	सूर्य	09/09/2079	चंद्र	06/04/2096
केतु	30/08/2032	शुक्र	25/04/2049	सूर्य	05/02/2064	चंद्र	09/04/2081	मंगल	03/04/2097
शुक्र	30/10/2033	सूर्य	19/03/2050	चंद्र	06/06/2065	मंगल	19/05/2082	राहु	11/06/2097
सूर्य	07/03/2034	चंद्र	18/09/2051	मंगल	13/05/2066	राहु	25/03/2085		00/00/0000
चंद्र	06/10/2034	मंगल	06/10/2052	राहु	06/10/2068	गुरु	06/10/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।